



कुलपति कार्यालय
वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

.....2.....

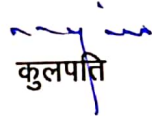
स्नातक स्तरीय कक्षाओं हेतु सी०बी०सी०एस० समिति

- | | |
|--|---------|
| 1. चतुर्थ वरिष्ठतम प्राचार्य, सम्बद्ध महाविद्यालय | अध्यक्ष |
| 2. समस्त संयोजक, अध्ययन परिषद | सदस्य |
| 3. डॉ० विजय कुमार सिंह, मंत्री, शिक्षक संघ | सदस्य |
| 4. डा० एन०के० सिंह, शिक्षा संकाय, राजा हरपाल सिंह पी०जी० कालेज, सिंगरामऊ, जौनपुर | सदस्य |
| 5. कुलपति द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ | सदस्य |
| 6. कुलपति द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ | सदस्य |
| 7. श्री संजीव कुमार सिंह, उप कुलसचिव, शैक्षणिक | संयोजक |

विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कक्षाओं हेतु सी०बी०सी०एस० समिति

- | | |
|--|---------|
| 1. प्रो० डी० डी० दूबे, संकायाध्यक्ष विज्ञान संकाय, विश्वविद्यालय परिसर | अध्यक्ष |
| 2. समस्त संकायाध्यक्ष, विश्वविद्यालय परिसर | सदस्य |
| 3. प्रो० ए०के० श्रीवास्तव, निदेशक, फार्मसी | सदस्य |
| 4. कुलपति द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ | सदस्य |
| 5. कुलपति द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ | सदस्य |
| 6. श्री संजीव कुमार सिंह, उप कुलसचिव, शैक्षणिक | संयोजक |

उक्त समितियां 30 जून, 2016 तक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी। कृपया सभी सम्बन्धित को तदनुसार सूचित कर दें।


कुलपति

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ०प्र०)

Email:connectpureregistrar@gmail.com



Fax.: (05452) 252344,252244

Web: www.vbspu.ac.in

पत्रांक : 29455 / पू०वि०वि० / शैक्षणिक / 2016

दिनांक : 29.06.2016

आदेश

विद्यापरिषद की बैठक दिनांक 06.10.2015 के कार्यसूची संख्या 11 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नीति के आलोक में कुलपति जी के आदेश दिनांक 06.06.2016 के अनुपालन में "च्चाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम" (सी०बी०सी०एस०) के क्रियान्वयन/लागू करने हेतु निम्नांकित समिति गठित की जाती है समिति निम्नवत होंगे :-

विश्वविद्यालय स्तरीय सी०बी०सी०एस० समिति

- | | |
|---|---------|
| 1. प्रो० पीयूष रंजन अग्रवाल, कुलपति | अध्यक्ष |
| 2. समस्त संकायाध्यक्ष, विश्वविद्यालय परिसर | सदस्य |
| 3. प्रो० जनक पाण्डेय, पूर्व कुलपति, बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पटना।
Email:pandeyjanak@gmail.com | सदस्य |
| 4. प्रो० जे०पी० श्रीवास्तव, कृषि संकाय, बी०एच०यू० वाराणसी मो०नं० 9415812442 | सदस्य |
| 5. प्रो० अजय सिंह, दिल्ली स्कूल आफ इकानामिक्स, नई दिल्ली, मो०नं० 09810108767 | सदस्य |
| 6. प्रथम वरिष्ठतम प्राचार्य, सम्बद्ध महाविद्यालय | सदस्य |
| 7. द्वितीय वरिष्ठतम प्राचार्य, सम्बद्ध महाविद्यालय | सदस्य |
| 8. डॉ० राजीव प्रकाश सिंह, भूगोल विभाग, टी०डी०कालेज, जौनपुर | सदस्य |
| 9. कुलसचिव | संयोजक |
| 10. श्री संजीव कुमार सिंह, उप कुलसचिव, शैक्षणिक | सदस्य |
| स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु सी०बी०सी०एस० समिति | |
| 1. तृतीय वरिष्ठतम प्राचार्य, सम्बद्ध महाविद्यालय | अध्यक्ष |
| 2. समस्त संकायाध्यक्ष, सम्बद्ध महाविद्यालय | सदस्य |
| 3. डा० समर बहादुर सिंह, अध्यक्ष, शिक्षक संघ | सदस्य |
| 4. डा० राकेश कुमार सिंह, हिन्दी, विभाग, राजा हरपाल सिंह पी०जी० कालेज, सिंगरामऊ, जौनपुर | सदस्य |
| 5. कुलपति द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ
प्रो० अशोक कुमार कौल, समाजशास्त्र विभाग, बी०एच०यू० वाराणसी | सदस्य |
| 6. कुलपति द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ
प्रो० विनोद शंकर सिंह, वाणिज्य संकाय, बी०एच०यू० वाराणसी | सदस्य |
| 7. श्री संजीव कुमार सिंह, उप कुलसचिव, शैक्षणिक | संयोजक |
| स्नातक स्तरीय कक्षाओं हेतु सी०बी०सी०एस० समिति | |
| 1. चतुर्थ वरिष्ठतम प्राचार्य, सम्बद्ध महाविद्यालय | अध्यक्ष |
| 2. समस्त संयोजक, अध्ययन परिषद | सदस्य |
| 3. डा० विजय कुमार सिंह, मंत्री शिक्षक संघ | सदस्य |
| 4. डा० एन०के० सिंह, शिक्षा संकाय, राजा हरपाल सिंह पी०जी० कालेज, सिंगरामऊ, जौनपुर | सदस्य |
| 5. कुलपति द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ
डा० गिरजा शंकर शास्त्री, संस्कृत विभाग, बी०एच०यू० वाराणसी | सदस्य |
| 6. कुलपति द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ
प्रो० लल्लन मिश्रा, रसायन शास्त्र विभाग, बी०एच०यू० वाराणसी | सदस्य |
| 7. श्री संजीव कुमार सिंह, उप कुलसचिव, शैक्षणिक | संयोजक |

विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कक्षाओं हेतु सी०बी०सी०एस० समिति

- | | |
|--|---------|
| 1. प्रो० डी०डी० दूबे, संकायाध्यक्ष विज्ञान संकाय, विश्वविद्यालय परिसर | अध्यक्ष |
| 2. समस्त संकायाध्यक्ष, विश्वविद्यालय परिसर | सदस्य |
| 3. प्रो० ए०के० श्रीवास्तव निदेशक, फार्मसी | सदस्य |
| 4. कुलपति द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ
प्रो० बी०के० सिंह, सेवानिवृत्त, बायोटेक्नोलाजी विभाग, पूर्वान्वल विश्वविद्यालय, जौनपुर | सदस्य |
| 5. कुलपति द्वारा नामित विषय विशेषज्ञ
प्रो० राजीव त्रिपाठी, एम०एन०आई०टी० इलाहाबाद- 211002 | सदस्य |
| 6. श्री संजीव कुमार सिंह, उप कुलसचिव, शैक्षणिक | संयोजक |

उपरोक्त समिति से अपेक्षा की जाती है कि प्रकरण से सम्बन्धित बैठकें कर दिनांक 20 जुलाई 2016 तक अपनी आख्या कुलपति जी को उपलब्ध करायेगी।


कुलसचिव

प्रतिलिपि : निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सम्बन्धित समिति की सदस्यगण।
2. वित्तअधिकारी।
3. संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष विश्वविद्यालय परिसर पाठ्यक्रम के सूचनार्थ प्रेषित।
4. उपकुलसचिव, शैक्षणिक/सम्बद्धता।
5. समन्वयक, आई०क्यू०ए०सी०/नैक मूल्यांकन।
6. अधीक्षक शैक्षणिक को इस आशय से उपरोक्त समिति की बैठक कराये।
7. निजी सचिव, कुलपति, कुलपति जी के आदेश दिनांक 06.06.2016 के अनुपालन में सूचनार्थ प्रेषित।


कुलसचिव

टिप्पणी तथा आदेश:

पत्रावली संख्या

अधीक्षक / उप कुलसचिव / कुलसचिव / कुलपति जी

कृपया पत्राचार भाग पर संलग्न पत्रांक 1866 / पू०का० / 2016, दिनांक 06.06.2016 का अवलोकन करने का कष्ट करें। जो सी०बी०सी०एस० क्रियान्वन हेतु गठित समितियों के सम्बन्ध में है। निम्नलिखित तीन समितियों में कुलपति जी द्वारा दो-दो वाह्य विशेषज्ञों को नामित किया जाना है।

1. स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु सी०बी०सी०एस० समिति में दो वाह्य विशेषज्ञों का नाम नामित किया जाना है।
 1. डॉ. अमरेंद्र कुमार, अनुसंधान आयोग विभाग
 2. डॉ. अशोक कुमार, अनुसंधान आयोग विभाग
 2. स्नातक कक्षा हेतु सी०बी०सी०एस० समिति में दो नाम वाह्य विशेषज्ञों का नाम नामित किया जाना है।
 1. डॉ. अशोक कुमार, अनुसंधान आयोग विभाग
 2. डॉ. अमरेंद्र कुमार, अनुसंधान आयोग विभाग
 3. विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कक्षाओं हेतु सी०बी०सी०एस० समिति में दो वाह्य विशेषज्ञों का नाम नामित किया जाना है।
 1. डॉ. अमरेंद्र कुमार, अनुसंधान आयोग विभाग
 2. डॉ. अशोक कुमार, अनुसंधान आयोग विभाग
- अतः कम संख्या एक, दो एवं तीन के लिये दो-दो वाह्य विशेषज्ञों का नाम निर्दिष्ट करने का कष्ट करें।

अवलोकनार्थ एवं आदेशार्थ।



[Signature]
17.6.16

[Signature]
17.6.16
कुलसचिव

आफि हि का रिवाती

29.6.2016

अधीक्षक / उप कुलसचिव / कुलसचिव / कुलपति जी,
 विश्वविद्यालय अनुसंधान आयोग का निर्वाह के आलायक के वि० व० पी० सि०
 के संचालित कक्षाओं हेतु सी०बी०सी०एस० समिति के गठन का अवलोकन किया जाये।
 सु-वाकित सामग्री को वेबसाइट पर अपलोड किया जाये हेतु।
 निदेशों का पालन करें।

[Signature]
26.7.16

[Signature]
26.7.16

[Signature]
26.7.16

यस
28.8.2016



MINIMUM COURSE
CURRICULUM FOR
UNDERGRADUATE COURSES
UNDER CHOICE BASED CREDIT
SYSTEM

MINIMUM COURSE CURRICULUM FOR UNDERGRADUATE COURSES UNDER CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Background/Preamble:

Ministry of Human Resource Development (HRD), Govt. of India, has already initiated the process for developing New Education Policy (NEP) in our country to bring out reforms in Indian education system. University Grants Commission (UGC) participates more actively in developing National Education Policy, its execution and promotion of higher education in our country. The UGC has already initiated several steps to bring equity, efficiency and academic excellence in National Higher Education System. The important ones include innovation and improvement in course- curricula, introduction of paradigm shift in learning and teaching pedagogy, examination and education system.

The education plays enormously significant role in building of a nation. There are quite a large number of educational institutions, engaged in imparting education in our country. Majority of them have entered recently into semester system to match with international educational pattern. However, our present education system produces young minds lacking knowledge, confidence, values and skills. It could be because of complete lack of relationship between education, employment and skill development in conventional education system. The present alarming situation necessitates transformation and/or redesigning of education system, not only by introducing innovations but developing “learner-centric approach in the entire education delivery mechanism and globally followed evaluation system as well.

Majority of Indian higher education institutions have been following marks or percentage based evaluation system, which obstructs the flexibility for the students to study the subjects/courses of their choice and their mobility to different institutions. There is need to allow the flexibility in education system, so that students depending upon their interests and aims can choose inter-disciplinary, intra-disciplinary and skill-based courses. This can only be possible when choice based credit system (CBCS), an internationally acknowledged system, is adopted. The choice based credit system not only offers opportunities and avenues to learn core subjects but also exploring additional avenues of learning beyond the core subjects for holistic development of an individual. The CBCS will undoubtedly facilitate us bench mark our courses with best international academic practices. The CBCS has more advantages than disadvantages.

Advantages of the choice based credit system:

- Shift in focus from the teacher-centric to student-centric education.
- Student may undertake as many credits as they can cope with (without repeating all courses in a given semester if they fail in one/more courses).
- CBCS allows students to choose inter-disciplinary, intra-disciplinary courses, skill oriented papers (even from other disciplines according to their learning needs, interests and aptitude) and more flexibility for students).

- CBCS makes education broad-based and at par with global standards. One can take credits by combining unique combinations. For example, Physics with Economics, Microbiology with Chemistry or Environment Science etc.
- CBCS offers flexibility for students to study at different times and at different institutions to complete one course (ease mobility of students). Credits earned at one institution can be transferred.

Disadvantages:

- Difficult to estimate the exact marks
- Workload of teachers may fluctuate
- Demand good infrastructure for dissemination of education

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS):

The CBCS provides an opportunity for the students to choose courses from the prescribed courses comprising core, elective/minor or skill based courses. The courses can be evaluated following the grading system, which is considered to be better than the conventional marks system. Therefore, it is necessary to introduce uniform grading system in the entire higher education in India. This will benefit the students to move across institutions within India to begin with and across countries. The uniform grading system will also enable potential employers in assessing the performance of the candidates. In order to bring uniformity in evaluation system and computation of the Cumulative Grade Point Average (CGPA) based on student's performance in examinations, the UGC has formulated the guidelines to be followed.

Tentative list of Undergraduate Disciplines/Courses to be covered under CBCS developing common minimum structure and syllabi:

BACHELOR COURSES UNDER CBCS IN INDIA

S.NO. UNDERGRADUATE COURSES		
1	Arts and Humanities	1. Hindi 2. Sanskrit 3. Modern Indian Language- Punjabi 4. English 5. Sociology 6. Public Administration 7. Defense and Strategic studies 8. History 9. Geography 10. Economics 11. History and Tourism 12. Philosophy 13. Political Science 14. Music 15. Journalism 16. Psychology 17. Mathematics 18. Home Science 19. Education
2	Commerce and Management	20. Business Economics 21. Commerce 22. Banking and Insurance 23. Accounting and Finance 24. Financial Markets 25. Company and Compensation law 26. Business Administration 27. Labor Management 28. Tourism and Travel management
3	Science	29. B.Sc. Medical/Life Sciences 30. Chemistry 31. Physics 32. Botany 33. Zoology 34. Biotechnology

		35. Microbiology 36. Biochemistry 37. Computer Science 38. Environmental Science 39. Food Technology 40. Electronic Science 41. Information Technology 42. Forensic Science 43. Biomedical Science 44. Physical Science 45. Operational Research 46. Statistics 47. Anthropology
5	Others	48. LLB 49. BCA 50. B. Lib 51. B.Ed 52. B.El.Ed 53. Multimedia and Communication 54. Fine Arts 55. Performing Arts 56. Physical Education and Health 57. Foreign Languages

Outline of Choice Based Credit System:

1. **Core Course:** A course, which should compulsorily be studied by a candidate as a core requirement is termed as a Core course.
2. **Elective Course:** Generally a course which can be chosen from a pool of courses and which may be very specific or specialized or advanced or supportive to the discipline/subject of study or which provides an extended scope or which enables an exposure to some other discipline/subject/domain or nurtures the candidate's proficiency/skill is called an Elective Course.
 - 2.1 **Discipline Specific Elective (DSE) Course:** Elective courses may be offered by the main discipline/subject of study is referred to as Discipline Specific Elective. The University/Institute may also offer discipline related Elective courses of interdisciplinary nature (to be offered by main discipline/subject of study).
 - 2.2 **Dissertation/Project:** An elective course designed to acquire special/advanced knowledge, such as supplement study/support study to a project work, and a candidate studies such a course on his own with an advisory support by a teacher/faculty member is called dissertation/project.
 - 2.3 **Generic Elective (GE) Course:** An elective course chosen generally from an unrelated discipline/subject, with an intention to seek exposure is called a Generic Elective.

P.S.: A core course offered in a discipline/subject may be treated as an elective by other discipline/subject and vice versa and such electives may also be referred to as Generic Elective.
3. **Ability Enhancement Courses (AEC):** The Ability Enhancement (AE) Courses may be of two kinds: Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC) and Skill Enhancement Courses (SEC). "AECC" courses are the courses based upon the content that leads to Knowledge enhancement; i. Environmental Science and ii. English/MIL Communication. These are mandatory for all disciplines. SEC courses are value-based and/or skill-based and are aimed at providing hands-on-training, competencies, skills, etc.
 - 3.1 Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC): Environmental Science, English Communication/MIL Communication.
 - 3.2 Skill Enhancement Courses (SEC): These courses may be chosen from a pool of courses designed to provide value-based and/or skill-based knowledge.

*** Introducing Research Component in Under-Graduate Courses**

Project work/Dissertation is considered as a special course involving application of knowledge in solving / analyzing /exploring a real life situation / difficult problem. A Project/Dissertation work would be of 6 credits. A Project/Dissertation work may be given in lieu of a discipline specific elective paper.

Implementation:

1. The CBCS may be implemented in Central/State Universities subject to the condition that all the stakeholders agree to common minimum syllabi of the core papers and at least follow common minimum curriculum as fixed by the UGC. The allowed deviation from the syllabi being 20 % at the maximum.
2. The universities may be allowed to finally design their own syllabi for the core and elective papers subject to point no. 1. UGC may prepare a list of elective papers but the universities may further add to the list of elective papers they want to offer as per the facilities available.
3. Number of Core papers for all Universities has to be same for both UG Honors as well as UG Program.
4. Credit score earned by a student for any elective paper has to be included in the student's overall score tally irrespective of whether the paper is offered by the parent university (degree awarding university/institute) or not.
5. For the introduction of AE Courses, they may be divided into two categories:
 - a) AE Compulsory Courses: The universities participating in CBCS system may have common curriculum for these papers. There may be one paper each in the 1st two semesters viz. (i) English/MIL Communication, (ii) Environmental Science.
 - b) Skill Enhancement Courses: The universities may decide the papers they may want to offer from a common pool of papers decided by UGC or the universities may choose such papers themselves in addition to the list suggested by UGC. The universities may offer one paper per semester for these courses.
6. The university/Institute may plan the number of seats per elective paper as per the facility and infrastructure available.
7. An undergraduate degree with Honours in a discipline may be awarded if a student completes 14 core papers in that discipline, 2 Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC), minimum 2 Skill Enhancement Courses (SEC) and 4 papers each from a list of Discipline Specific Elective and Generic Elective papers respectively.
8. An undergraduate Program degree in Science disciplines may be awarded if a student completes 4 core papers each in three disciplines of choice, 2 Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC), minimum 4 Skill Enhancement Courses (SEC) and 2 papers each from a list of Discipline Specific Elective papers based on three disciplines of choice selected above, respectively.
9. An Undergraduate program degree in Humanities/ Social Sciences/ Commerce may be awarded if a student completes 4 core papers each in two disciplines of choice, 2 core papers each in English and MIL respectively, 2 Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC), minimum 4 Skill Enhancement Courses (SEC), 2 papers each from a list of Discipline Specific Elective papers based on the two disciplines of choice selected above, respectively, and two papers from the list of Generic Electives papers.
10. The credit(s) for each theory paper/practical/tutorial/project/dissertation will be as per the details given in A, B, C, D for B.Sc. Honours, B.A./B.Com. Honours, B.Sc. Program and B.A./B.Com. Program, respectively.
11. Wherever a University requires that an applicant for a particular M.A./M.Sc./Technical/Professional course should have studied a specific discipline at the undergraduate level, it is suggested that obtaining 24 credits in the concerned discipline at the undergraduate level may be deemed sufficient to satisfy such a requirement for admission to the M.A./M.Sc./Technical/Professional course.